विचार प्रवाह

सफलता की दहलीज पर सिसकती संवेदनाएँ

आधुनिकता की अंधी दौड़ में हमने जिस प्रगति का महल खड़ा किया है, उसकी नींव में अपनों की ही उपेक्षा और सन्नाटों का गारा लगा है। संवेदनाओं के मरुस्थल में तब्दील होते जा रहे समाज की सबसे वीभत्स त्रासदी सामाजिक अलगाव है। वह मनुष्य, जो स्वभाव से ही एक सामाजिक इकाई था, आज अपने ही बनाए ऊंचे कंक्रीट के जंगलों और आभासी दुनिया के मायाजाल में इस कदर कैद हो गया है कि उसके बगल के द्वार पर दस्तक देने वाला अकेलापन भी उसे सुनाई नहीं देता है। प्रगति की जिन ऊंचाइयों को हमने छुआ है, वहां ऑक्सीजन की तरह आत्मीयता भी कम होती जा रही है।

हाल के वर्षों में समाज के बंद कमरों से जो खबरें छनकर आ रही हैं, वे किसी डरावनी फिल्म की पटकथा से कम नहीं हैं। कहीं एक प्रबुद्ध व्यक्ति अपनी बीमार पत्नी का गला इसलिए घोंट देता है क्योंकि उसे डर है कि उसकी मृत्यु के बाद उसकी लाचार जीवनसंगिनी का ख्याल रखने वाला कोई नहीं होगा, तो कभी बुजुर्ग दम्पति साथ में आत्महत्या कर लेते हैं, तो कहीं महीनों तक एक बंद फ्लैट में किसी बुजुर्ग का कंकाल मिलता है, जिसकी संतान सात समंदर पार डॉलर कमा रही है। ये घटनाएं केवल क्राइम रिपोर्ट का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि उस मानसिक विक्षिप्ति और गहरे अवसाद की गूँज हैं, जो अकेलेपन की कोख से जन्म लेती हैं। जब एक विकसित मस्तिष्क

एंटीसिपेटरी एंग्जायटी (भविष्य की असुरक्षा का डर) की भेंट चढ़ जाता है, तो उसे जीवन से अधिक गरिमामय मृत्यु लगने लगती है।

मनोवैज्ञानिक धरातल पर देखें तो यह अलगाव एक धीमे जहर की तरह कार्य करता है। एक समय था जब सामुदायिक जीवन एक सुरक्षा कवच हुआ करता था, जहाँ सुख-दुख की साझा विरासत भय को पनपने नहीं देती थी। परंतु आज, स्वायत्तता और निजता के नाम पर हमने जो दीवारें खड़ी की हैं, उन्होंने हमें सुरक्षित नहीं बल्कि असुरक्षित और संशयवादी बना दिया है। जब व्यक्ति अपने उत्सवों और विषादों में अकेला रह जाता है, तो उसके भीतर का सामाजिक प्राणी धीरे-धीरे मरने लगता है। इसी अकेलेपन की बेबसी एक सुसंस्कृत व्यक्तित्व को कातिल या आत्महंता बना देती है। हमें सोचना चाहिए कि यह मर्सी किलिंग का विकृत रूप है या हमारे आधुनिक मूल्यों की सामूहिक विफलता।

यह कैसी विडंबना है कि जिस पीढ़ी ने समाज और राष्ट्र को अपने ज्ञान और अनुभव से सींचा, आज वही पीढ़ी उसी समाज के हाशिए पर खड़ी होकर अपनों की ही राह जोह रही है। संस्कारों का क्षरण और सामाजिक ताने-बाने का छिन्न-भिन्न होना इस बात का प्रमाण है कि हमने विकास की परिभाषा गलत चुन ली है। यदि हमारी तरक्की हमें अपने ही माता-पिता और समाज के प्रति असंवेदनशील बना सकती, तो यह प्रगति नहीं, बल्कि एक सुसज्जित पतन है। सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना का विलुप्त होना और व्यक्तिवाद का चरम पर पहुँचना ही वह मनोवैज्ञानिक बिंदु है जहाँ पहुँचकर इंसान का मानसिक संतुलन डगमगाने लगता है।

अतः इस गहराते सामाजिक अलगाव और टूटते रिश्तों के भंवर से निकलने का मार्ग केवल आर्थिक सुरक्षा में नहीं, बल्कि भावनात्मक पुनर्वास में निहित है। समय की मांग है कि हम विकास की अंधी दौड़ को थोड़ा विराम दें और अपनी जड़ों की ओर लौटें। आने वाली पीढ़ियों को केवल सफल होने की होड़ में शामिल करना पर्याप्त नहीं है, उन्हें संवेदनशील बनाना अनिवार्य है। यदि शिक्षा मनुष्य को अपनों के प्रति उत्तरदायी नहीं बनाती, तो वह मात्र एक तकनीकी प्रशिक्षण है, ज्ञान नहीं। हमें ऐसे समाज की पुनर्रचना करनी होगी जहाँ बुजुर्गों का अनुभव बोझ नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक प्रकाश बने और जहाँ पड़ोस की दीवारें इतनी ऊँची न हों कि भीतर का सन्नाटा बाहर न सुनाई दे।

अंततः, जीवन की सार्थकता सात समंदर पार अर्जित की गई उपलब्धियों में उतनी नहीं है, जितनी कि अपनों की आँखों में दिखने वाले संतोष और सुरक्षा के भाव में है। रिश्तों को डिजिटल स्क्रीन के मोह से मुक्त कर पुनः स्पर्श, प्रेम और भौतिक उपस्थिति की ऊष्मा देनी होगी। याद रहे, जिस समाज में संतानों की योग्यता ही माता-पिता के अकेलेपन का कारण बन जाए, वहाँ प्रगति का हर मार्ग अंततः पतन की ओर ही जाता है। मानवता का सच्चा उत्थान वही है, जहाँ कोई भी व्यक्ति स्वयं को इतना असहाय न पाए कि उसे जीवन के अंतिम अध्याय को खौफनाक अंत में बदलना पड़े। यह समय केवल विलाप का नहीं, बल्कि गहन आत्म-चिंतन का है।

डॉ स्नेहलता श्रीवास्तव , इंदौर

इंदौर में जायका वित्त पोषित एम पी ट्रांसको परियोजनाओं का निरीक्षण

इंदौर।

जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जायका) के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि मंडल ने इंदौर में मध्यप्रदेश पाँवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की जायका-दो वित्त पोषित परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। जायका जापान का द्वि-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल, जिसमें इवैल्यूएटर सुश्री हिसाए ताकाहाशी एवं जायका के भारतीय प्रतिनिधि श्री कुनाल गुप्ता शामिल है, ने निर्माण कार्यों, उनकी गुणवत्ता, उपयोगिता तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप क्रियान्वयन की बारीकी से जांच-पड़ताल की। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने पीथमपुर स्थित 400 केवी सबस्टेशन में जायका द्वारा वित्तपोषित 315 एमवीए क्षमता के ट्रांसफॉर्मर की स्थापना एवं उसकी उपयोगिता संबंधित जानकारी भी प्राप्त की।

इसके अलावा एवं प्रदेश के पहले 132 केवी जी.आई.एस.(गैस इंसुलेटेड स्विचगेयर) सबस्टेशन महालक्ष्मी के लिए लाइनइन-लाइनआउट की गई 132 केवी मांगलिया-सातश्रृंगोन इंदौर ट्रांसमिशन लाईन का निरीक्षण कर सूक्ष्म मूल्यांकन किया।

औद्योगिक इकाइयों का किया दौरा;लिया फीडबैक

निरीक्षण के दौरान एमपी ट्रांसको के अधिकारियों ने प्रतिनिधि मंडल को बताया कि इस ट्रांसफॉर्मर के स्थापित होने से क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता और स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इससे औद्योगिक इकाइयों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली मिल रही है। इवैल्यूएटर सुश्री हिसाए ताकाहाशी, एम पी ट्रांसको अधिकारियों द्वारा दी गई इस जानकारी से संतुष्ट नही हुई और उन्होने औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर का निरीक्षण कर स्वयं वास्तविक स्थिति का आंकलन करने का निर्णय लिया। जायका प्रतिनिधि मंडल ने औद्योगिक इकाइयों के संचालकों के साथ बैठक भी की।

स्मार्ट मीटर से मिल रहे सही खपत के वाजिब बिल...

इंदौर। हमारे यहां स्मार्ट मीटर लगाए गए थे, बाजार में स्मार्ट मीटर के बारे में कुछ लोगों को गलतफहमियां जरूर थी, लेकिन हमारे यहां स्मार्ट मीटर लगे तो सभी गलत फहमियां दूर हो गई। हमारे बिजली बिल उतने ही आ रहे हैं, जितनी हमारे यहां बिजली खपत हो रही है।

बिजली कंपनी ने संतुष्टि के लिए चेक मीटर लगाए, स्मार्ट मीटर एवं पुरानी पद्धति के नान स्मार्ट मीटर दोनों की रीडिंग में अंतर नहीं आया। यह कहना हैं इंदौर शहर के बिजली उपभोक्ताओं का। वर्धमान नगर निवासी श्री कुंजबिहारी पिता श्री कन्हैयालाल का कहना हैं कि हमें जब स्मार्ट मीटर लगा तो लगा कि मीटर में अंतर हैं, लेकिन जब चेक मीटर लगा तो हमारा भ्रम पूरी तरह दूर हो गया। दोनों ही मीटरो की रीडिंग में समानता मिली, गलतफहमी दूर हो गई। वहीं समाजवादी इंदिरा नगर के उपभोक्ता श्री श्याम सुंदर गुप्ता का कहना हैं कि मेरे यहां स्मार्ट मीटर लगाने आए, संतुष्टि के लिए चेक मीटर भी लगाया गया। दोनों ही रीडिंग में कोई अंतर देखने को नहीं मिला। मैं स्मार्ट मीटर व्यवस्था से पूरी तरह संतुष्ट हूं।

कई शहर पूरी तरह मार्टमीटरीकृत

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि मालवा निमाड़ में अब तक 15 लाख 37 हजार स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। महू, खरगोन, नागदा, झाबुआ, धांदला इत्यादि शहर पूर्णतः स्मार्ट मीटरीकृत हो चुके हैं। श्री सिंह ने बताया कि उपभोक्ता संतुष्टि के लिए कंपनी क्षेत्र में इंदौर शहर समेत हजारों मीटर लगाए गए हैं। इनकी रीडिंग समान रूप से आने पर उपभोक्ताओं, जनप्रतिनिधियों को भी रिपार्ट प्रस्तुत की गई है।

पेंशन प्रकरणों के निराकरण हेतु आहरण संवितरण अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

इन्दौर। आगामी दिनों में राज्य शासन के अंतर्गत सेवानिवृत्त होने वाले समस्त शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरणों का निराकरण राज्य केन्द्रीकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल भोपाल से किया जाना है। मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग के आदेश के तहत राज्य केन्द्रीकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल का गठन कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुए संभागीय पेंशन अधिकारी सुश्री प्रगति जैन ने बताया कि पेंशन प्रकरणों के निराकरण हेतु इंदौर जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी 05 मार्च एवं 06 मार्च को निर्धारित समयानुसार ई-दक्ष केन्द्र, सेटेलाईट भवन इंदौर पर आयोजित किया गया है।

जिले के सभी शासकीय कार्यालयों के आहरण संवितरण अधिकारियों से अपेक्षा की गई है कि वे पेंशन प्रकरण संबंधित कार्य करने वाले शासकीय सेवक के साथ नियत दिनांक को प्रशिक्षण हेतु अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें। प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यालयवार अलग-अलग शिफ्टों में आयोजित किया गया है।

प्रभु त्रिवेदी की कृति विराट और मैं

इंदौर । साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा कीर्तिशेष गीतकार चंद्रसेन विराट की स्मृति में 'विराट स्मृति प्रसंग प्रेस क्लब में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार व दोहाकार प्रभु त्रिवेदी द्वारा रचित पुस्तक 'विराट और मैं' का विमोचन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे मंचासीन रहे। अध्यक्षता की वयोवृद्ध कथाकार सूर्यकांत नागर ने। पुस्तक लेखक व छांदस रचनाकार प्रभु त्रिवेदी ने विराट के संस्मरणों के साथ आत्मीय व्याख्यान दिया। मंच पर विचार प्रवाह के मुकेश तिवारी, भाषा उत्तरयन के डॉ. अर्पण जैन व वामा संस्था की ज्योति जैन भी रहीं। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में बाहर से पधारे गीतकारों ने गीत पाठ किया। प्रेस क्लब का राजेन्द्र माथुर सभागार तालियों से गूँजता रहा। शहर के साहित्यकारों में हिंदी परिवार के हरेराम बाजपेयी, सदाशिव कौतुक, प्रदीप नवीन, संतोष मोहंती, नंदकिशोर बर्वे, डॉ. हेतवाल, डॉ. अखिलेश राव और श्रीमती विराट की उपस्थिति ने गरिमा प्रदान की 7 आभार व्यक्त किया विचार प्रवाह के मुकेश तिवारी ने।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला इंदौर पहुंचे

इन्दौर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का आज इन्दौर पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने रेलवे स्टेशन पर उनकी अगवानी कर पुष्पहारों से उनका स्वागत किया। रेलवे स्टेशन से बिरला रेसीडेंसी कोठी पहुंचे जहां से कुछ देर विश्राम पश्चात वे श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय उज्जैन

रोड इंदौर में आयोजित दीक्षांत समारोह में सहभागिता करने रवाना हो गए। बिरला महेश्वरम् भवन, बॉम्बे हॉस्पिटल के समीप आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शाम को इंदौर रेलवे स्टेशन से कोटा के लिए रवाना होंगे।

जीपीओ की कार्यप्रणाली से रूबरू हुए विद्यार्थी

इंदौर। व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देते हुए अल-हिरा पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने इंदौर जनरल पोस्ट ऑफिस का शैक्षणिक दौरा किया। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञान और अनुभव का सजीव अवसर सिद्ध हुआ।

सीनियर पोस्टमास्टर श्रीनिवास जोशी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने मेल सॉर्टिंग सेक्शन, स्पीड पोस्ट और पार्सल विभाग का अवलोकन किया तथा जाना कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से पत्रों और पार्सलों को पिन कोड के आधार पर किस प्रकार व्यवस्थित और ट्रैक किया जाता है।

विद्यार्थियों को यह जानने का अवसर मिला कि इंडिया पोस्ट डाक

सेवाओं के साथ आधार कार्ड सेवाएँ, बैंकिंग सुविधाएँ, मनी ट्रांसफर और बीमा योजनाएँ भी प्रदान करता है। सीनियर पोस्टमास्टर श्रीनिवास जोशी के द्वारा विशेष सत्र में दुर्लभ डाक टिकटों और स्पेशल कवर की जानकारी ने छात्रों को अत्यंत प्रभावित किया।

कार्यक्रम का समापन पर श्री जोशी ने विद्यार्थियों को प्रेरक संबोधन ने विद्यार्थियों को उत्साह और उमंग से भर दिया। आपके द्वारा विद्यार्थियों को बहुत ही बेहतरीन तरीके से जनरल पोस्ट ऑफिस की विजिट कराई गई। आपके द्वारा विभिन्न विभागों की विस्तार पूर्वक जानकारी से विद्यार्थियों के व्यवहारिक ज्ञान में असीमित वृद्धि हुई। विद्यालय की सीनियर शिक्षिका शीरीन रंगवाला ने श्रीनिवास जोशी के इस सहयोग की प्रशंसा की एवं विद्यालय परिवार के ओर से आपको और पूरे स्टॉफ को धन्यवाद ज्ञापित किया। एजुकेशन ट्रीप में रेशमा मंसूरी और फहीम मेमन का विशेष सहयोग रहा।

इंदौर जिले में चना पंजीयन हेतु बनाये गए 61 पंजीयन केन्द्र

इन्दौर। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए इंदौर जिले में चना उपार्जन के लिये किसान अपनी फसल का पंजीयन आगामी 16 मार्च तक करा सकते हैं। चना उपार्जन के लिए पंजीयन विगत 20 फरवरी से प्रारंभ हो गए हैं। जिले में चना पंजीयन के लिए पर्यवेक्षण एवं मॉनिटरिंग एवं नियंत्रण के लिए जिला स्तरीय उपार्जन प्रशासकीय समिति का गठन किया गया है। इस समिति में अध्यक्ष सहित कुल 11 सदस्यों को शामिल किया गया है। समिति के अध्यक्ष कलेक्टर श्री शिवम वर्मा है। अपर कलेक्टर श्री रोशन राय ने बताया कि जिले में किसानों की सुविधा के लिए पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनायी गई है। जिले की देपालपुर तहसील में सर्वाधिक 26 पंजीयन केन्द्र बनाये गए हैं। इसी तरह सांवेर में 14 और हातोद में 8 केन्द्र, डॉ. आम्बेडकर नगर (महू) में 5, खुडेल में 3, बिचौली हप्सी और कनाड़िया तहसील में दो-दो तथा मल्हारगंज तहसील में एक पंजीयन केन्द्र बनाया गया है। इस प्रकार इंदौर जिले में कुल 61 पंजीयन केन्द्र बनाये गए हैं।

आरआर केट में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाएगा

इन्दौर। प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. सी. वी. रमन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र (आरआरकेट) इंदौर 28 फरवरी और 01 मार्च 2026 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर इंदौर और उसके आसपास के लगभग सवा सौ स्कूलों और कॉलेजों के दो हजार से अधिक विद्यार्थियों को आरआरकेट का भ्रमण कराया जाएगा। वैज्ञानिक उन्नत प्रौद्योगिकियों, वर्किंग मॉडल (कार्यशील मॉडल) और प्रयोगशाला सुविधाओं का प्रदर्शन किया जाएगा । भ्रमण कार्यक्रम का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रति प्रेरित करना है। उद्घाटन सत्र 28 फरवरी 2026 को सुबह 08-45 बजे कन्वेंशन सेंटर आरआरकेट में आयोजित किया जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से आरआरकेट परिसर में प्रवेश पूर्णतः अग्रिम अनुमति (एडवांस परमिट) द्वारा ही दिया जाता है। यह नियम सभी मीडिया कर्मियों और उनके कैमरा उपकरणों पर भी लागू होते है। प्रवेश पास की व्यवस्था करने और सुगम स्वागत सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम से पूर्व अपनी उपस्थिति की पुष्टि और टीम का विवरण nsd@rrcat.gov.in पर भेजें जा सकते हैं।

रविंद्र जैन संगीत एकेडमी पद्मश्री स्वर्गीय रविंद्र जैन साहब के 82 वें जन्मदिवस संगीत कार्यक्रम : जब दीप जले आना

इन्दौर। रविंद्र जैन संगीत एकेडमी, संगीतकार पद्मश्री स्वर्गीय रविंद्र जैन साहब के 82 वें जन्मदिवस और बालसखा स्वर्गीय श्री ओ पी गोयल की याद में सालाना संगीत आयोजन करने जा रही है, अभिनव कला समाज गांधी हाल में रविंद्रजैन के संगीतबद्ध किए नगमों पर आधारित संगीत कार्यक्रम 'जब

दीप जले आना ...' के आयोजन में सदाबहार नगमों की प्रस्तुति हो रही है, गायक वर्षा झालानी, अन्नू शर्मा, अर्पिता बोबडे, मनीष शुक्ला, पल्लवी सिंह रविंद्र जैन के नगमे सुना रहें है, मंच संचालन सुमित्रा जोशी का है।

रविंद्र जैन के साथ स्टेज शो पर रहने वाले संगीत संगतकार दीपेश जैन, राजेश गुड्डू मिश्रा, बबला गजभिए, रिदम मिश्रा रविंद्र जैन के नगमे में संगीत देंगे , आयोजन में संस्था अनहद नाद, स्टार फेन क्लब, संस्था अग्रमंच का विशेष सहयोग रहा, संस्था के आशीष गोयल, संस्था अग्रमंच की दीपिका गोयल ने सभी कलाकारों का स्वागत किया, मंच व्यवस्था हेमंत अग्रवाल ने की, अतिथि महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला, भाजपा अध्यक्ष सुमित मिश्रा है, आयोजन में रविंद्र जैन के संगीत प्रेमी अधिक संख्या में उपस्थित रहे

आयोजन में प्रस्तुत नगमे ...

मंगल भवन- सभी मिलकर

आज से पहले : मनीष शुक्ला

दिल में तुझे बिठा के : वर्षा झालानी

गोरी तेरा गाँव बड़ा प्यारा : अन्नु शर्मा

सजना है मुझे सजना : अर्पिता बोबडें

तू जो मेरे सुर में : वर्षा मनीष भाई

श्याम तेरी बंशी : अर्पिता अन्नु शर्मा

ले तो आये हो हमें : पल्लवी सिंह सांची कहें तोरे आने से : मनीष

राम तेरी गंगा मैली : वर्षा झालानी

घुंघरू की तरह : अन्नु शर्मा

तेरा मेरा साथ रहे : अर्पिता जी

ले जायेंगे ले जायेंगे : वर्षा, मनीष

जब दिप जले आना : अर्पिता, अन्नु शर्मा

गंगा आरती हरिद्वार में विश्व शांति की प्रार्थना की गई

इन्दौर। हरिद्वार के गंगा घाट स्थित गंगा मंदिर पर विश्व शांति हेतु प्रार्थना सभा में हजारों श्रद्धालु उपस्थित थे। जिसमें विदेशों से भी भक्तजन आए थे। इन्दौर के सांई भक्त कमल साबू वायबरेन्ट वायरल सोशल मीडिया मुम्बई के पाउंडर ईशान साबू भी शामिल हुए। गंगा मैया की जय, हर-हर गंगे तथा जय गंगा माता के नारों से पूरा गंगा घाट आध्यात्मिक ज्योत से ओतप्रोत था।

आरबीआई ने डिजिटल धोखाधड़ी रोकने बैंकों और पुलिस को दिए कड़े निर्देश

इंदौर। भारतीय रिजर्व बैंक ने 60 प्रमुख बैंकों के कार्यकारी निदेशकों और धोखेधड़ी जोखिम प्रबंधन प्रमुखों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में केंद्रीय गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय और महाराष्ट्र पुलिस के अधिकारी भी शामिल हुए। आरबीआई ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं के प्रभावी समाधान के लिए सभी संबंधित पक्षों के बीच मजबूत समन्वय आवश्यक है। कार्यशाला में साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम और उसे कम करने के लिए मजबूत संचालन, निगरानी व्यवस्था, आंतरिक नियंत्रण, सुव्यवस्थित प्रक्रियाएं और अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग पर जोर दिया गया। आरबीआई ने बैंकों से लक्षित ग्राहक जागरूकता अभियान चलाने और अपनाई गई तकनीकी और प्रक्रियात्मक उपायों को साझा करने का आग्रह किया।

कार्टून कोना